परीक्षा में विशेष सफलता पाने पर माता की ओर से पुत्री को पत्र।

बी-11-2, विवेक विहार
लुधियाना।
15 जून, 2021.

प्रिय पुत्री आरती,

शुभाशीष!

आज सुबह जैसे ही अखबार खोला विदित हुआ कि ,आई. ए. एस. परीक्षा का परिणाम घोषित हो गया है। धड़कते दिल से रोल नम्बरों पर नज़र दौड़ाने लगी और उसमें तुम्हारा रोल नम्बर देखकर मेरा हृदय हर्ष और गर्व से भर गया। प्यारी ,बिटिया,वैसे तो तुम सदा ही हर परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करती रही हो परन्तु आई. ए. एस. जैसी चुनौतीपूर्ण प्रतियोगी परीक्षा को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर तुमने अपनी अनूठी(अनोखी) प्रतिभा का परिचिय दिया है। तुम जैसी मेधावी पुत्री पाकर कौन स्वयं को धन्य नहीं समझेगा। ईश्वर हर घर में ऐसी बेटी दे । तुम्हारे पिताजी तो खुशी से झूम रहे हैं और तुम्हारी छोटी बहन प्रज्ञा वह तो आस - पड़ोस में सबको बता रही है कि उसकी दीदी ने कितनी बड़ी सफलता हासिल की है।

प्यारी बिटिया, अपनी इस विशिष्ट उपलब्धि पर हम सबकी ओर से ढेरों बधाइयाँ स्वीकार करो। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि वह जीवन के हर क्षेत्र में तुम्हें इसी तरह सफलता प्रदान करता रहे। तुम्हारा भविष्य उज्ज्वल हो; तुम देश और समाज में अपने सद्गुणों की सुगंध फैला सको-यही मेरा आशीर्वाद है।

तुम्हारे पिताजी की ओर से तुम्हें ढेर-सा प्यार और प्रज्ञा की ओर से सादर नमस्कार।

पत्र का शीध्र उत्तर देना। प्रतीक्षा में,

तुम्हारी माता,
प्रोमिला।

तैयारकर्ता-
डॉ. हरिभजन प्रियदर्शी (प्रवक्ता हिन्दी)
राजकीय(कन्या) वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मलोट,
ज़िला-श्री मुक्तसर साहिब ।